

36/113

1992-25/04



0400 008571



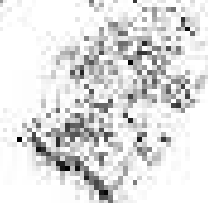
विक्रय विलेख

विक्रय मूल्य : ₹ 7,70,000/-
 बाजार मूल्य : ₹ 4,18,250/-
 रुआम शुल्क : ₹ 11,100/-
 परमाना : दिल्ली

यह विक्रय विलेख राम मिलन पुत्र श्री भगवान दीन व
 रत्नराम पुत्र राम ओतार निवासी-जाम मुजफ्फर नगर मुसवल,
 परमाना -दिल्ली, तहसील व जिला, लखनऊ जिले आगे

निदेशिका

दिनांक: 1992



Handwritten signature

श्री १०८, १०९, ११०

१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०

१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०

१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०

१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०

१०८/१०९/११०



१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०

१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०
१०८/१०९/११०





0420 006572

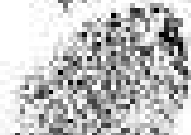
- 2 -

विक्रयार्थ कल गया है, एवम् राम जी फाँदी पुत्र राम अग्रवाल कोठी निवासी-ग्राम दीवानगंज, पोस्ट-रीतलागंज, तहसील पट्टी, जिला- प्रतापगढ़, जिसे आगे क्रेता कहा गया है, को मध्य निष्पादित किया गया।

यह कि विक्रयार्थ भूमि खसरा 121, 123, व 262 कुल रकबा 0.757 हेक्टेयर के 1/2 भाग अर्थात् 0.3785 हेक्टेयर, स्थित ग्राम मुजफ्फर नगर घुलवल, परगना -बिलनौर, तहसील व जिला, लखनऊ, या मालिक, कर्मिल व काबिल है तथा उपरोक्त सत्यापित प्रमाणिक आला सतीनी ड्रम संख्या 151 के अनुसार

अधीनस्थ

अधीनस्थ



12/1/78

क्रमांक : १००४

३७

दिनांक : ११/११/१९८४

सूचना : १००४/१९८४

प्राप्त : ११/११/१९८४

क्रमांक : १००४/१९८४

श्री श्री

श्री श्री

श्री श्री

श्री श्री

श्री श्री

श्री श्री

श्री श्री

श्री श्री

श्री श्री

श्री श्री

श्री श्री

१००४

१००४

१००४



प्रमाण : यह प्रमाणित है कि

१००४

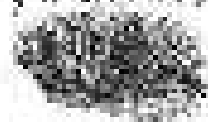


0283 959035

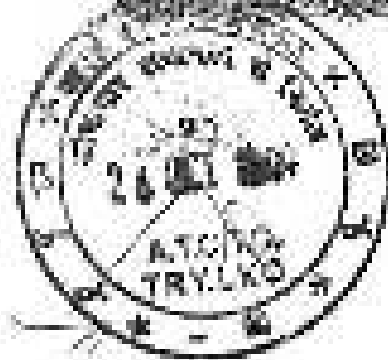


-3-

भूमि विक्रेतागण के नाम पर अमल परामर्श राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विक्रेतागण अपना सम्पूर्ण हिल्ला क्षेत्र को हल विभाग विलेख द्वारा दिखाय कर रहा है विक्रेतागण उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कानून व कानून है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि भूमि भूमि है, और यह कि विक्रेतागण यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के माली से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विक्रेतागण ने उक्त हल विभाग के पूर्व कहीं बय, डिवा, गिद्वी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उलाका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्यवाही के



Handwritten signature



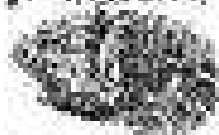
186510

- 4 -

अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही कुछ इत्यादि है।
 विक्रेतागण को अन्तर्गत भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व
 एक या दोहा इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेतागण को अन्तर्गत विवाद
 अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अन्तर्गत उपरोक्त सहमति
 को फलस्वरूप रु० 7,10,622/- (सात लाख बीस हजार छ सौ
 बाईस रुपये) के प्रतिफल में जिहाज कि उपरोक्त जेता द्वारा
 विक्रेतागण की इस विलय को अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित
 शिथि को अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को
 विक्रेतागण नहीं स्वीकार करता है, नदानुसार अन्त विक्रेतागण

[Signature]

[Signature]



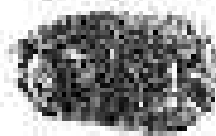
[Signature]

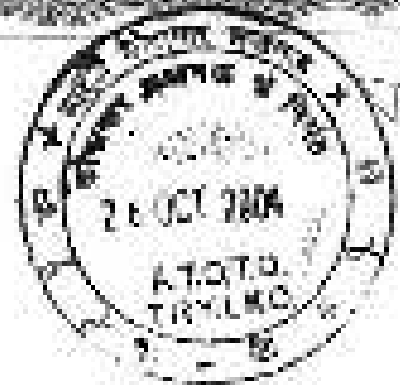
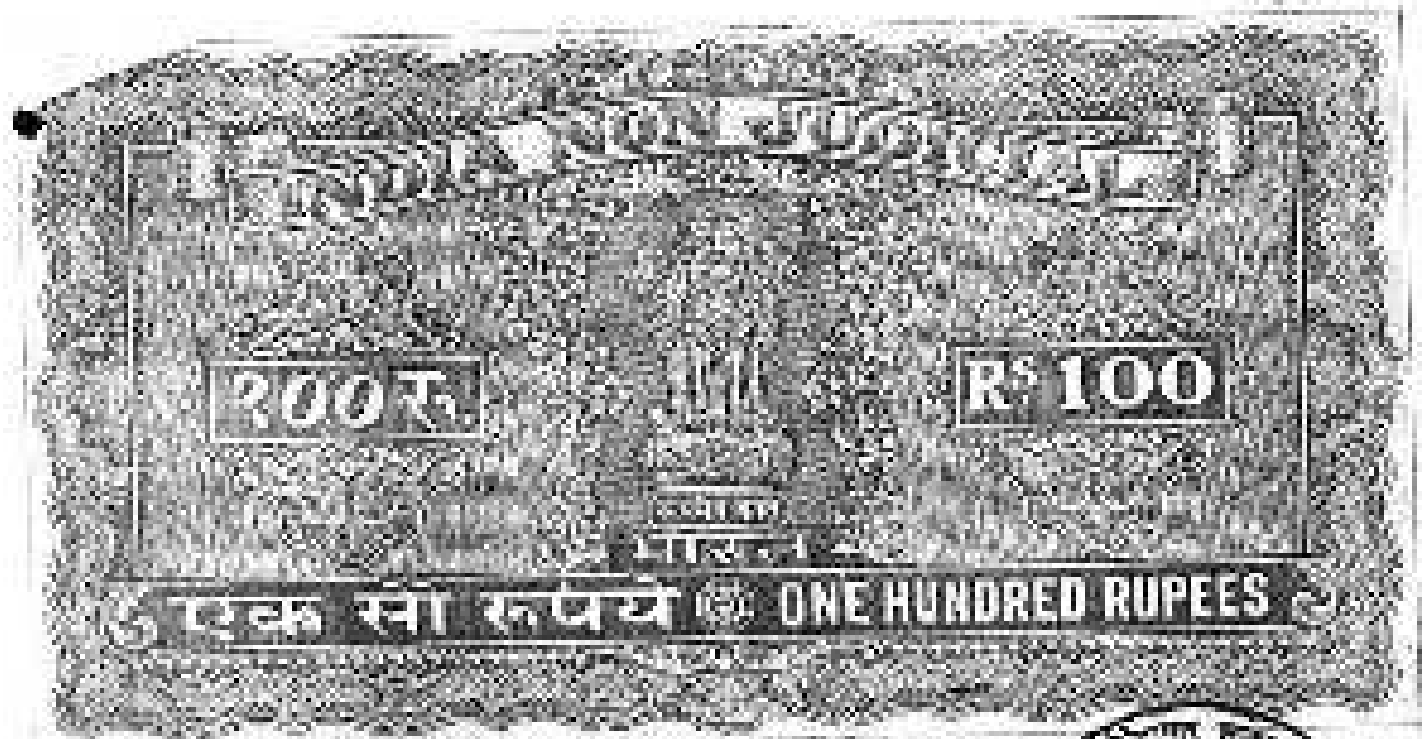


- 5 -

अब जेता के हाथ लपटीकत वर्णित भूमि, जिलाका विवरण इस विक्रय विज्ञापन के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, जो कलाई बेच दिया है, एवं विज्ञेतागण ने विक्रयशुद्ध भूमि का मौके पर कब्जा जेता को बखूबी कटा दिया गया है। अब उक्त आदमी पर विज्ञेतागण तथा उसके वारिसान का कोई अधिकार नहीं है। विज्ञेतागण ने विक्रयशुद्ध सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों के साथ गुप्ततया व हमेशा के लिए जेता को हस्तान्तरित कर दिया है। अब जेता विक्रयशुद्ध सम्पत्ति एवं उसके प्राप्तेक भाग को अपने एकमात्र स्वामित्व व अधिकार व कब्जे में सम्पत्ति के

निष्काशित

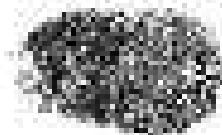




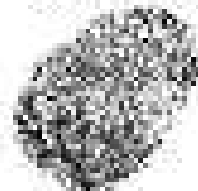
6

रुप में धारण एवं उपयोग व उपयोग करेंगे। विक्रेतागण उसमें किसी प्रकार की अड़बट बाधा नहीं डाल सकते एवं न ही कोई मांग कर सकते। और यदि विक्रेतागण सम्बन्धि अथवा कोई भाग विक्रेतागण के स्वामित्व में भुटि के कारण या कानूनी अड़बट या कानूनी भुटि के कारण केला या उसके वारिसान निषादकगण इत्यादि के कपड़े या अधिकार या स्वत्व से निकल जाये तो केला उसके वारिसान, निषादकगण इत्यादि को यह हक होगा कि वह अपना सम्बन्ध नुबस्तान मश हज्ज व खर्चा, विक्रेतागण की चल,

निषादकगण



निषादकगण



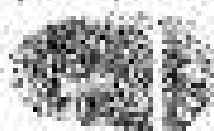
निषादकगण

अथवा सम्पत्ति से जरिये अदाजत बसूल कर ले। उस स्थित में विक्रेतागण एवं वरतक वारिसान हर्जा व खर्च देने हेतु बाध्य होगा।

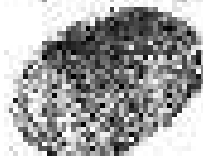
यह कि जेता विक्रयशुदा सम्पत्ति की साखिल सारिज राजस्व आमिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले ही विक्रेतागण को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विक्रय विलेख के पूर्ण का अगर कोई बकाया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेतागण मुक्तान व वहन करेंगे, विक्रेतागण को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम मुजफ्फर नगर बुतवल, अर्धनगदीच क्षेत्र के विशिष्ट ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरकित रेट रु० 11,00,000/- प्रति हेक्टेयर के हिसाब से विक्रीत भूमि 0.3785 हेक्टेयर की मालिकता रु० 4,16,350/- होती है। तथा विज्ञापन मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिए निम्नानुसार विक्रय मूल्य पर ही रु० 71,100/- जनरल स्टाम्प अदा किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विज्ञात भूमि कृषि के उपयोग के लिए क्रय की जा रही है। इस भूमि में कोई कुआँ, तालाब, व निर्माण आदि नहीं है, तथा 200 मी० के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है विज्ञात भूमि किसी लिंक मार्ग, राजमार्ग व जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विज्ञात भूमि सुल्तानपुर रोड से लगभग दो किलोमीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विक्रेतागण व जेता दोनों अनुसूचित जाति के सदस्य हैं। इस विक्रय विलेख के निष्पन्न का समस्त व्यय जेता द्वारा वहन किया गया है।

For the Government,



For the Buyer,



For the Seller,

लिहाजा यह विज्ञापन पत्र हम विवेकागार न केता के पत्र में
लिख दिया ताकि सनद रहे और आवश्यकता पड़ने पर काम
आवे।

षट्शिष्ट : विवरण विवाहसूदा सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा 121, 123, व 282 कुल रकबा 0.757
हेक्टेअर के 1/2 भाग अर्थात् 0.3785 हेक्टेअर, स्थित गांव
कुलपुत्र नगर धुसवल, परगना - बिजनीट, तहसील व जिला,
लखनऊ, जिसकी सीमाएँ निम्न हैं।

खसरा नं० 121 रकबा 0.200 हेक्टेअर

पूरुब	: खसरा संख्या-123
पश्चिम	: खसरा संख्या-119, 117
उत्तर	: खसरा संख्या-127 व 138
दक्षिण	: खसरा संख्या-120

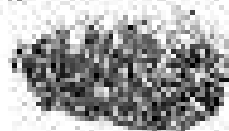
खसरा नं० 123 रकबा 0.126 हेक्टेअर

पूरुब	: खसरा संख्या-138
पश्चिम	: खसरा संख्या-121
उत्तर	: खसरा संख्या-137
दक्षिण	: खसरा संख्या-124

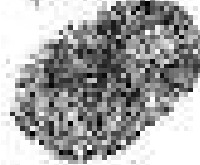
खसरा नं० 282 रकबा 0.431 हेक्टेअर

पूरुब	: खसरा संख्या-278
पश्चिम	: खसरा
उत्तर	: खसरा संख्या-263
दक्षिण	: खसरा संख्या-261

अध्यापक

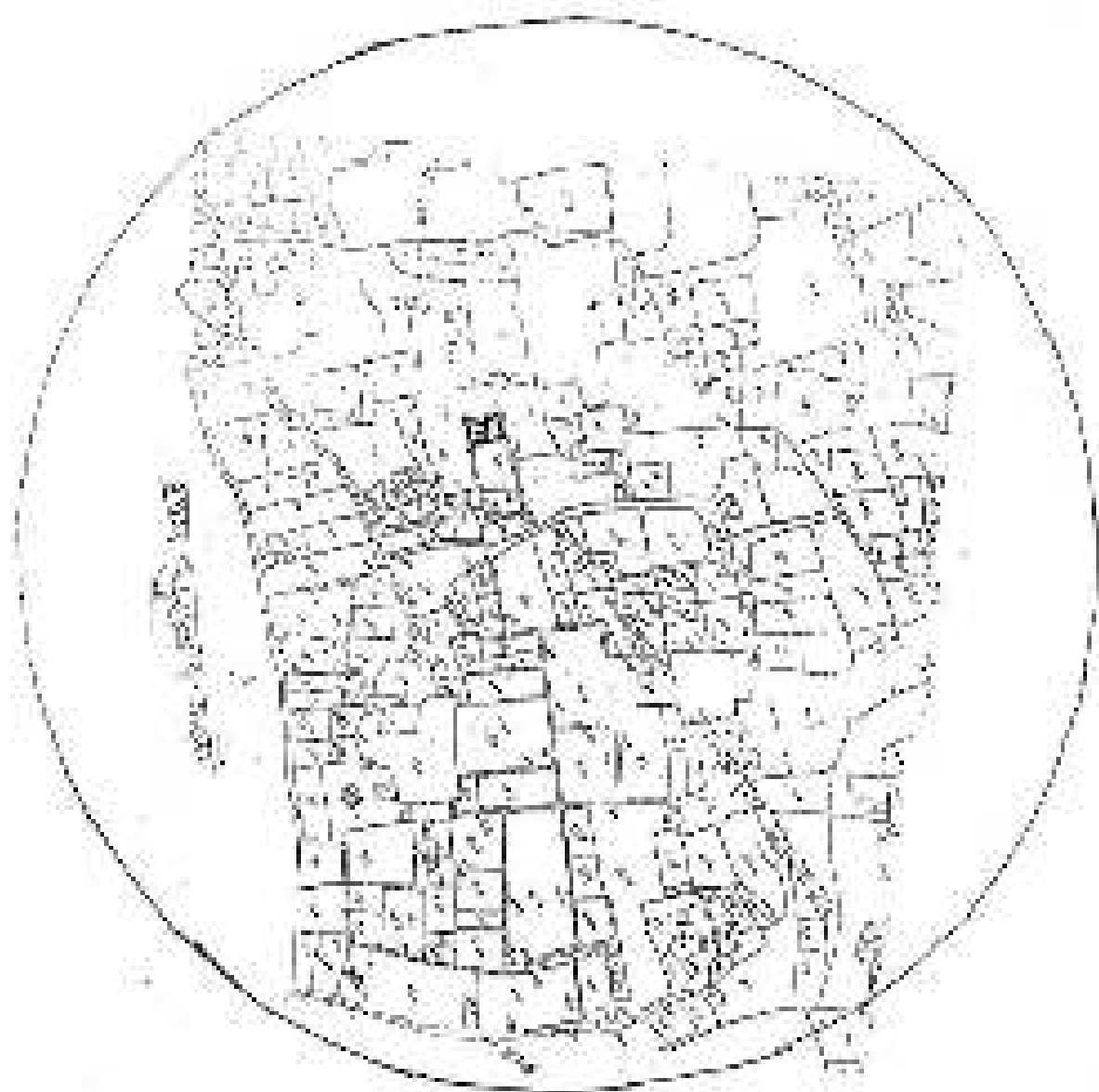


अध्यापक



अध्यापक

2019
Growth and Support
2020
2021
2022
2023
2024
2025
2026
2027
2028
2029
2030
2031
2032
2033
2034
2035
2036
2037
2038
2039
2040
2041
2042
2043
2044
2045
2046
2047
2048
2049
2050
2051
2052
2053
2054
2055
2056
2057
2058
2059
2060
2061
2062
2063
2064
2065
2066
2067
2068
2069
2070
2071
2072
2073
2074
2075
2076
2077
2078
2079
2080
2081
2082
2083
2084
2085
2086
2087
2088
2089
2090
2091
2092
2093
2094
2095
2096
2097
2098
2099
2100
2101
2102
2103
2104
2105
2106
2107
2108
2109
2110
2111
2112
2113
2114
2115
2116
2117
2118
2119
2120
2121
2122
2123
2124
2125
2126
2127
2128
2129
2130
2131
2132
2133
2134
2135
2136
2137
2138
2139
2140
2141
2142
2143
2144
2145
2146
2147
2148
2149
2150
2151
2152
2153
2154
2155
2156
2157
2158
2159
2160
2161
2162
2163
2164
2165
2166
2167
2168
2169
2170
2171
2172
2173
2174
2175
2176
2177
2178
2179
2180
2181
2182
2183
2184
2185
2186
2187
2188
2189
2190
2191
2192
2193
2194
2195
2196
2197
2198
2199
2200
2201
2202
2203
2204
2205
2206
2207
2208
2209
2210
2211
2212
2213
2214
2215
2216
2217
2218
2219
2220
2221
2222
2223
2224
2225
2226
2227
2228
2229
2230
2231
2232
2233
2234
2235
2236
2237
2238
2239
2240
2241
2242
2243
2244
2245
2246
2247
2248
2249
2250
2251
2252
2253
2254
2255
2256
2257
2258
2259
2260
2261
2262
2263
2264
2265
2266
2267
2268
2269
2270
2271
2272
2273
2274
2275
2276
2277
2278
2279
2280
2281
2282
2283
2284
2285
2286
2287
2288
2289
2290
2291
2292
2293
2294
2295
2296
2297
2298
2299
2300
2301
2302
2303
2304
2305
2306
2307
2308
2309
2310
2311
2312
2313
2314
2315
2316
2317
2318
2319
2320
2321
2322
2323
2324
2325
2326
2327
2328
2329
2330
2331
2332
2333
2334
2335
2336
2337
2338
2339
2340
2341
2342
2343
2344
2345
2346
2347
2348
2349
2350
2351
2352
2353
2354
2355
2356
2357
2358
2359
2360
2361
2362
2363
2364
2365
2366
2367
2368
2369
2370
2371
2372
2373
2374
2375
2376
2377
2378
2379
2380
2381
2382
2383
2384
2385
2386
2387
2388
2389
2390
2391
2392
2393
2394
2395
2396
2397
2398
2399
2400
2401
2402
2403
2404
2405
2406
2407
2408
2409
2410
2411
2412
2413
2414
2415
2416
2417
2418
2419
2420
2421
2422
2423
2424
2425
2426
2427
2428
2429
2430
2431
2432
2433
2434
2435
2436
2437
2438
2439
2440
2441
2442
2443
2444
2445
2446
2447
2448
2449
2450
2451
2452
2453
2454
2455
2456
2457
2458
2459
2460
2461
2462
2463
2464
2465
2466
2467
2468
2469
2470
2471
2472
2473
2474
2475
2476
2477
2478
2479
2480
2481
2482
2483
2484
2485
2486
2487
2488
2489
2490
2491
2492
2493
2494
2495
2496
2497
2498
2499
2500
2501
2502
2503
2504
2505
2506
2507
2508
2509
2510
2511
2512
2513
2514
2515
2516
2517
2518
2519
2520
2521
2522
2523
2524
2525
2526
2527
2528
2529
2530
2531
2532
2533
2534
2535
2536
2537
2538
2539
2540
2541
2542
2543
2544
2545
2546
2547
2548
2549
2550
2551
2552
2553
2554
2555
2556
2557
2558
2559
2560
2561
2562
2563
2564
2565
2566
2567
2568
2569
2570
2571
2572
2573
2574
2575
2576
2577
2578
2579
2580
2581
2582
2583
2584
2585
2586
2587
2588
2589
2590
2591
2592
2593
2594
2595
2596
2597
2598
2599
2600
2601
2602
2603
2604
2605
2606
2607
2608
2609
2610
2611
2612
2613
2614
2615
2616
2617
2618
2619
2620
2621
2622
2623
2624
2625
2626
2627
2628
2629
2630
2631
2632
2633
2634
2635
2636
2637
2638
2639
2640
2641
2642
2643
2644
2645
2646
2647
2648
2649
2650
2651
2652
2653
2654
2655
2656
2657
2658
2659
2660
2661
2662
2663
2664
2665
2666
2667
2668
2669
2670
2671
2672
2673
2674
2675
2676
2677
2678
2679
2680
2681
2682
2683
2684
2685
2686
2687
2688
2689
2690
2691
2692
2693
2694
2695
2696
2697
2698
2699
27



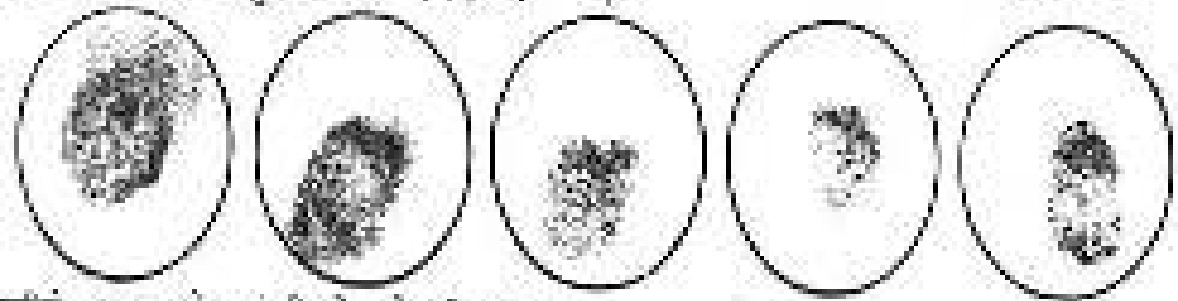
Dr. J. P. Brown

Cambridge

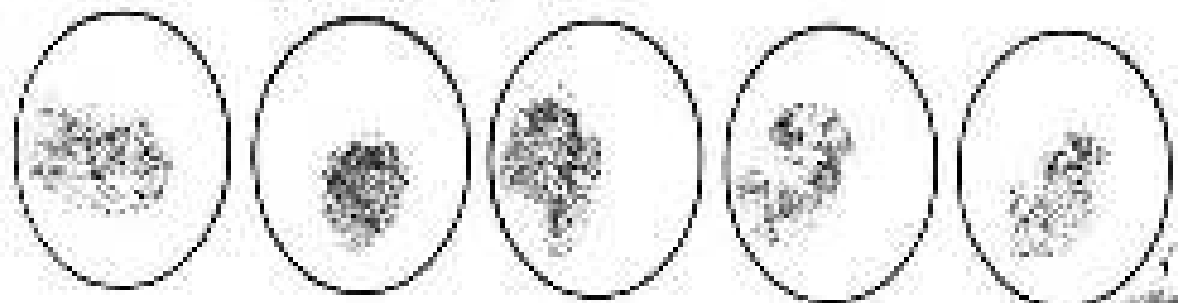
Q. 2

● राजस्थान अधिनियम 1928 को धारा 32ए के अनुपालन
हेतु फिंगर प्रिन्ट्स

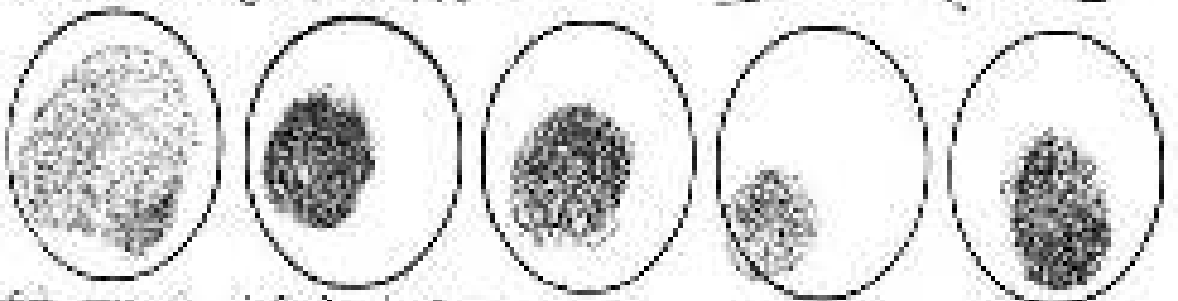
अंगुष्ठाभिप्रेता का नाम व पता : राज्य विज्ञान विद्यालय
जयपुर राजस्थान प्र. वि. नं. 1
 अब इसे न अंगुष्ठों के चिह्न : प्र. वि. नं. 1



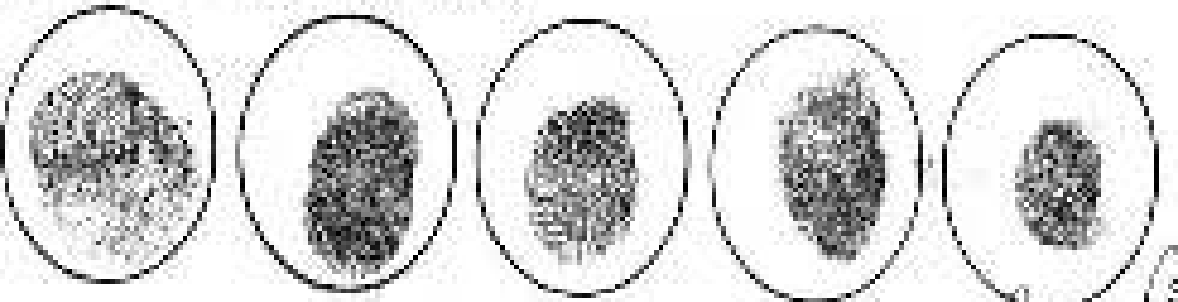
यह छह न अंगुष्ठों के चिह्न :



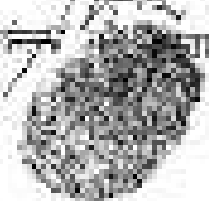
अंगुष्ठाभिप्रेता का नाम व पता : राज्य विज्ञान विद्यालय
जयपुर राजस्थान प्र. वि. नं. 1
 अब इसे न अंगुष्ठों के चिह्न : प्र. वि. नं. 1



यह छह न अंगुष्ठों के चिह्न :

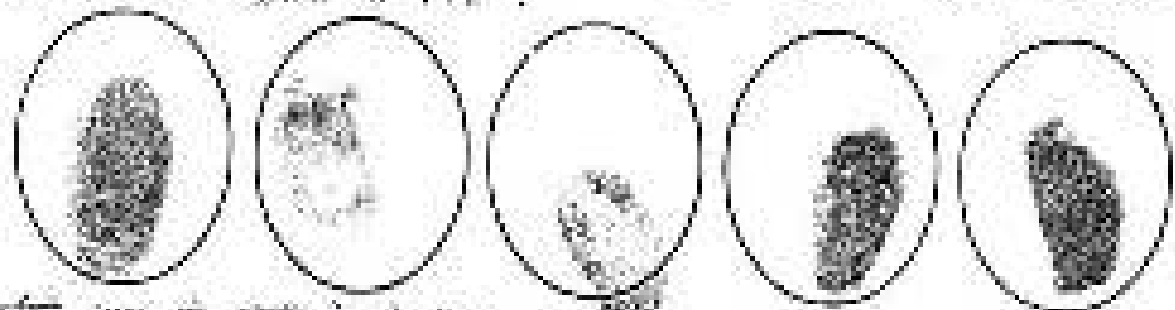


विज्ञान विद्यालय

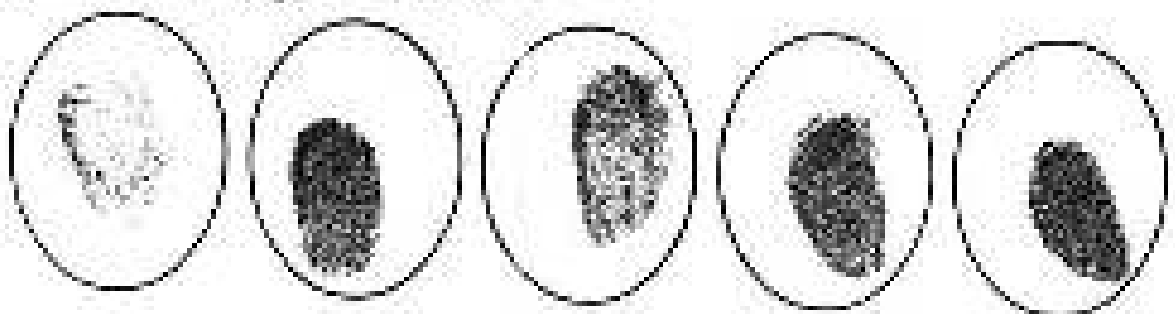


★ रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 को धारा 32ए के अनुपालन हेतु फिंगर प्रिन्ट

अनुसूचित जाति का नाम व पता : राधिका श्री श्री - पत्नी - दीवानजी
एन. सी. नारायण राव वही निवासी
 बड़े हाथ के अंगुलियों के निम्न :

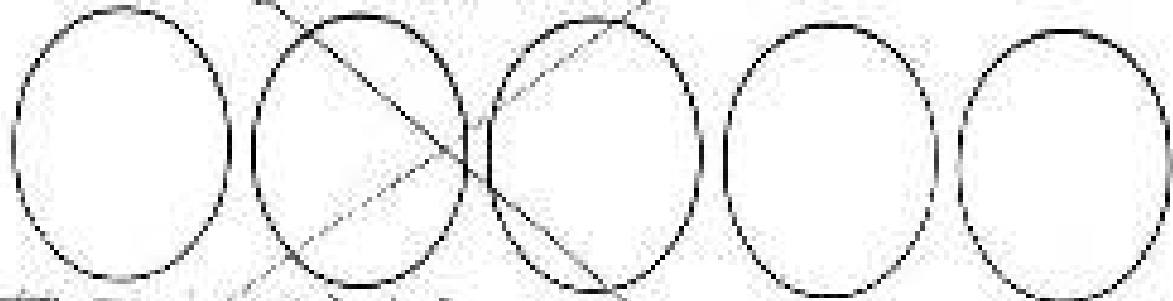


दाहिने हाथ के अंगुलियों के निम्न :

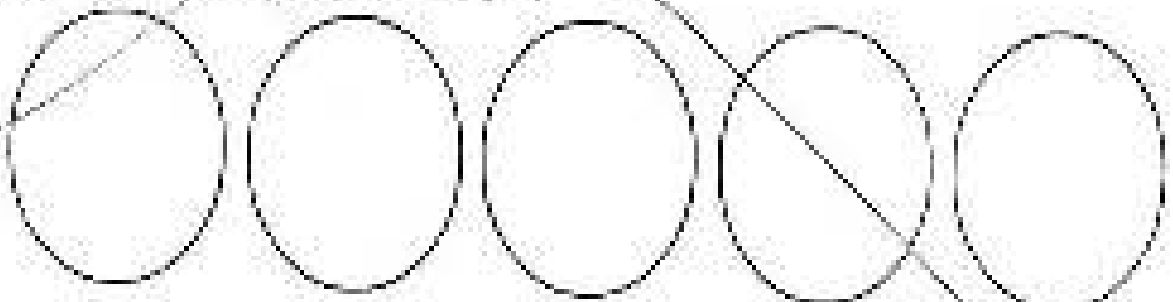


अनुसूचित जाति का नाम व पता : राधिका श्री श्री - पत्नी - दीवानजी

बड़े हाथ के अंगुलियों के निम्न :



दाहिने हाथ के अंगुलियों के निम्न :



बिना जाति के हस्ताक्षर

1111

